



श्रीवज्रनाथ
ह्रीं
ॐ

हकनीथिन्न

ॐ नमः श्रीवज्रनाथाय ॥ ॥ रागकीर्तिदिग्ब्रह्मांशु क कभाध्यादहिनकनक
नलासमीधुतामीधुद